## राजदरबार

### कुछ भूले, कुछ याद रहा

कांग्रेस से निकलकर अलग पार्टी बनाने वाले एक बड़े नेता की किताब और उनके बयानों पर उनके साथी नेता ही कई बार असहज हो जाते हैं। एक कार्यक्रम में यह बड़े नेता जब अपने सामने बैठे कुछ पुराने साथी नेताओं को गवाह बनाकर कोई पुराना वाकया सुना रहे थे तो वे सभी भौंचक रह गए। एक नेता ने कहा कि अब कैसे कहें कि वे झूठ बोल रहे थे या उन्हें शायद अब उतना याद नहीं रहा। फिलहाल नेता जी ने कहा, सही मौके पर वे भी बहुत कुछ तथ्य बताएंगे, जिससे स्थिति साफ हो। फिलहाल कांग्रेस में खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद ये सभी नेता माहौल भांपने में लगे हैं।

### पसोपेश में अध्यक्ष

यूपी के निकाय चुनाव में टिकट बंटवारे से उपजी नाराजगी दूर करने को बुलाई गई एक बैठक में आखिरकार वही हुआ, जिसका डर था। एक दल के प्रदेश अध्यक्ष इस कोशिश में थे कि वह जिले के पदाधिकारियों को समझा-बुझाकर मना लेंगे, लेकिन तभी पार्टी के एक महानगर अध्यक्ष ने सवाल उठाकर सारा गुड़ गोबर कर दिया। हुआ यह है कि पार्टी ने महापौर का एक टिकट दूसरे दल से आए नेता को थमा दिया, जिससे पूरे संगठन में खासी नाराजगी है। बैठक में इसी मुद्दे पर कार्यकर्ताओं को समझाना-बुझाना था। महानगर अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष से इसी मुद्दे पर मार्गदर्शन मांग लिया कि जिन्हें टिकट दिया गया है, उनका कार्यकर्ताओं से परिचय किस तरह कराना है? पार्टी ने जिन्हें टिकट दिया है, उन्हें न तो कार्यकर्ता जानते हैं और न ही वह स्वयं किसी कार्यकर्ता को जानते हैं? यह सवाल सुनकर प्रदेश अध्यक्ष हतप्रभ रह गए, उन्होंने महानगर अध्यक्ष को बैठक के बाद अलग से मिलने की बात कहकर किसी तरह चुप कराया। अब पार्टी इस उधेड़बुन में है कि जब महानगर अध्यक्ष का तेवर ऐसा है तो अन्य कार्यकर्ताओं का तेवर कैसा होगा?

### लौहनगरी की राजनीतिक तपन

झारखंड का मौसम भले ही अभी सामान्य है, लेकिन सूबे की लौहनगरी का सियासी तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। दरअसल, यहां पूर्व और पश्चिम के बीच एक बार फिर सियासी द्वंद्व शुरू हो गया है। मोबाइल फोन का सूचना तंत्र भी कभी-कभी गंभीर संकट आमंत्रित करता है। जाने-अनजाने इसके फेर में फंसनेवाले बाद में त्राहि-त्राहि करते फिरते हैं। लौहनगरी के एक माननीय ऐसे ही फेर में क्या फंसे, उनके लिए यह न निगलते बन रहा है न उगलते। पश्चिम के माननीय ने दो दिन बाद पूर्व के माननीय की ओर इशारा कर कह दिया, इसके लिए वही जिम्मेदार हैं। पूर्व के माननीय पहले से ही खार खाए बैठे थे। अपनी ओर उंगली उठते देख, वह अब राशन-पानी लेकर पूरी तरह तैयार हैं कि मामला इस पार होगा या उस पार। फिलहाल तो लौहनगरी इस सियासी तपिश में तपने लगी है।

### आराम हराम

कर्नाटक के चुनाव प्रचार में जुटे सरकार के मंत्रियों व भाजपा नेताओं को चुनाव नतीजे आने के बाद भी आराम करने का मौका नहीं मिलने वाला है। दरअसल, पार्टी ने केंद्र की मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में काफी समय से तैयारियां शुरू कर दी थी। दस मई के नतीजे जो भी रहें भाजपा संगठन व सरकार इसके साथ ही देश भर में सरकार की उपलब्धियों के साथ जनता के बीच जाएगी। आम चुनावों के मद्देनजर पार्टी हर क्षेत्र व हर वर्ग तक पहुंचेगी। इसलिए नेताओं को आगे भी जुटे रहना होगा। पार्टी के एक नेता ने कहा कि हम सच्चे जनसेवक हैं, हमारे लिए आराम हराम है। पार्टी की इस रणनीति से उन नेताओं के माथे पर बल पड़ गए हैं जिन्होंने देश-विदेश के सैर की योजना पहले से बना रखी थी। लेकिन, अब भीषण गर्मी में उन्हें मैदान में उतरना होगा।

### दो घूंट

उत्तराखंड में खेती किसानी से जुड़ा एक महकमा इन दिनों सत्ता के गलियारों में खासी चर्चा में है। दरअसल, महकमे के आला अफसर अक्तूबर में पहाड़ी जिले के भ्रमण पर गए थे। जिले में खातिरदारी खराब हुई तो आला अफसर ने जिलास्तरीय अधिकारी को शराब पीने के जुर्म में निलंबित कर दिया। अब सचिवालय वाले साहब निलंबित अफसर को बेड एंट्री देना चाहते हैं। इसके लिए जांच पर जांच चल रही है। पहले विभागीय निदेशक की जांच, फिर सीडीओ से जांच और अब डीएम से भी जांच रिपोर्ट मंगवा ली। लेकिन, पीने का आरोप बिना मेडिकल के कहीं भी साबित नहीं हो पा रहा है। पर साहब हैं कि उन्हें दो घूंट में नापने के लिए जी जान से जुटे हुए हैं।

### ताकि शक्ल पहचान लें

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने जिला और क्षेत्रीय स्तर पर पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। पार्टी की तरफ से नियुक्त पर्यवेक्षक चुनाव में अपनी जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं, पर चुनाव में दूसरे प्रदेशों से आए नेता और कार्यकर्ताओं की तादाद अन्य चुनाव के मुकाबले अधिक है। दिल्ली से चुनाव प्रचार के लिए गए एक वरिष्ठ नेता ने पंजाब से संबंध रखने वाले नेता को देखकर पूछा कि उन्हें किस सीट की जिम्मेदारी दी गई है, तो उसने कहा कि वह अपने खर्च पर आया है। वह पार्टी अध्यक्ष के प्रभाव वाले क्षेत्र में काम कर रहा है। ताकि किसी तरह वह पार्टी अध्यक्ष तक पहुंच जाए और वह उसे पहचानना शुरू कर दें।

इलेस्ट्रेशन : यशवंत नामदेव

---

महिला लड़ाकू विमान पायलटों की नियुक्ति के बाद सेना में पांच महिला अधिकारियों की तोपखाना रेजीमेंट में तैनाती बड़ा कदम

# तीन महिला अफसर एलएसी के अग्रिम मोर्चे पर तैनात

**उत्साहजनक**

**नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।** सेना की युद्धक शाखाओं में महिला अफसरों को नियुक्ति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार को पांच महिला अफसरों को युद्धक शाखा तोपखाना (आर्टिलरी) रेजीमेंट में कमीशन दिया गया। पांचों लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त हुई हैं। सूत्रों ने बताया कि तीन महिला अधिकारियों को चीन से सटी सीमाओं पर तैनात टुकड़ियों में नियुक्त किया गया है। वहीं,दो अन्य महिला अधिकारियों को पाकिस्तान के साथ अग्रिम सीमा के समीप चुनौतीपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है।

कुछ साल पूर्व वायुसेना में महिला उम्मीदवारों को लड़ाकू विमान पायलट के रूप में तैनाती दी गई थी। अब सेना में महिला अफसरों की युद्धक भूमिका में तैनाती दूसरा महत्वपूर्ण कदम है। सैन्य सूत्रों ने कहा कि भारतीय सेना ने पहली बार अपनी तोपखाना रेजीमेंट में पांच महिला अधिकारियों को शामिल किया है। इनमें लेफ्टिनेंट महक सैनी, लेफ्टिनेंट साक्षी दुबे, लेफ्टिनेंट अदिति यादव और लेफ्टिनेंट पायस मुदगिल शामिल हैं। इन सभी ने शनिवार को चेन्नई में ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) में अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर सेना में कमीशन प्राप्त किया। एक अधिकारी ने बताया कि लेफ्टिनेंट सैनी को एसएटीए रेजिमेंट में, लेफ्टिनेंट दुबे और लेफ्टिनेंट यादव को फील्ड रेजिमेंट में, लेफ्टिनेंट मुदगिल को एक मध्यम रेजिमेंट में और लेफ्टिनेंट आकांक्षा को एक रॉकेट रेजिमेंट में शामिल किया गया है। इन अफसरों को तोपखाना रेजीमेंट से जुड़ी सभी शाखाओं में बारी-बारी से तैनात किया जाएगा।

पासिंग आउट परेड में 186 कैडेट शामिल थे। इनमें 29 भूटान के नागरिक हैं। परेड का निरीक्षण बांग्लादेश के सेना प्रमुख सीओएएस जनरल एसएम शफीउद्दीन अहमद ने किया।

गलवान घाटी में शहीद हुए नायक दीपक सिंह की पत्नी रेखा सिंह ने शनिवार को ओटीए, चेन्नई में प्रशिक्षण पूरा कर लेफ्टिनेंट के तौर पर सेना में कमीशन प्राप्त किया।

### जनवरी में हुई थी पहल

एक सूत्र ने कहा कि तोपखाना रेजीमेंट में महिला अधिकारियों की कमीशनिंग भारतीय सेना में चल रहे बदलाव के दौर का बड़ा प्रमाण है। जनवरी 2023 में ही सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने आर्टिलरी इकाइयों में महिला अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्णय की घोषणा की। बाद में इस प्रस्ताव को सरकार ने मंजूरी दे दी थी। इसके बाद भारतीय सेना ने पहली बार अपनी तोपखाना रेजीमेंट में पांच महिला अधिकारियों को शामिल किया है।

### तोपखाना रेजीमेंट

सेना की तोपखाना रेजीमेंट अहम लड़ाकू हिस्सा है। इसके अंतर्गत 280 यूनिट हैं, जो बोफोर्स हेवित्जर, धनुष, एम-777 हेवित्जर और के-9 वज्र तोप सहित विभिन्न तरह के तोपों का परिचालन करती है। युवा महिला अधिकारियों को सभी प्रकार की प्रमुख तोपखाना इकाइयों में तैनात किया जा रहा है। जहां उन्हें रॉकेट, फील्ड और निगरानी और लक्ष्य प्राप्ति (एसएटीए) प्रणालियों के साथ-साथ प्रमुख उपकरणों को संभालने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण और अनुभव मिलेगा।

## गलवान के शहीद की पत्नी सेना में बनीं अधिकारी

- रेखा सिंह लेफ्टिनेंट के तौर पर सेना में शामिल
- ओटीए चेन्नई में अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया

**नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।** पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी संघर्ष में शहीद होने वाले बिहार रेजीमेंट के नायक दीपक सिंह की पत्नी रेखा सिंह ने सेना में बतौर अफसर कमीशन प्राप्त किया है। 29 वर्षीय रेखा को सैन्य आयुध कोर में लद्दाख में तैनाती मिली है। जिस क्षेत्र में पति की शहादत हुई, वहीं अब पत्नी अफसर बनकर मोर्चा संभालेंगी। अगले कुछ दिनों में वह लद्दाख में पहुंच जाएंगी।

**शादी के आठ माह बाद ही हो गए थे शहीद :** सैन्य सूत्रों ने बताया कि नवंबर 2019 में रेखा सिंह का विवाह दीपक सिंह के साथ हुआ था। विवाह के करीब आठ महीने के भीतर ही 15 जून 2020 को हुए गलवान घाटी संघर्ष में दीपक शहीद हो गए।

दीपक सेना मेडिकल कोर से थे, जो 16वीं बिहार रेजिमेंट से अटैच किए गए थे। गलवान संघर्ष के दौरान वे अंतिम सांस तक अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे। शहीद होने से पूर्व उन्होंने 30 घायल जवानों का इलाज कर उनकी जान बचाई थी। उन्हें इस बहादुरी के लिए मरणोपरांत वीर चक्र भी दिया गया है। इस हादसे से उबरने के बाद रेखा ने पढ़ाई पूरी की और सेना में अफसर बनने के लिए तैयारी की। परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद वीर चक्र भारत का तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन सैन्य सम्मान है।

2022 में वह यूपीएससी की परीक्षा में सफल हुई। इसके बाद एसएसबी साक्षात्कार के जरिये उनकी नियुक्ति हुई। शनिवार को ओटीए, चेन्नई में उनका प्रशिक्षण पूरा हुआ और बतौर लेफ्टिनेंट उन्होंने सेना में कमीशन प्राप्त किया। रेखा सिंह मध्य प्रदेश के रीवा की निवासी हैं। मालूम हो कि पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प में सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे।

## देश 30S

महाराष्ट्र के भिवंडी में शनिवार को दो मंजिला इमारत ढहने के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे लोग। • प्रेट्र

### भिवंडी में इमारत गिरने से तीन लोगों की मौत

**ठाणे।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में शनिवार को एक ग्राउंड प्लस दो मंजिला इमारत ढह गई। इससे तीन लोगों की मौत हो गई और दस लोग घायल हो गए। अभी भी 10 लोगों के फंसे होने की आशंका है। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख अविनाश सावंत ने बताया कि मनकोली के वालपाड़ा इलाके में वर्धमान कंपाउंड में दो मंजिला इमारत दोपहर करीब पौने दो बजे ढह गई। ऊपरी मंजिल पर चार परिवार रहते थे, जबकि नीचे के तल पर मजदूर काम करते थे।

### 'राज्य पशुपालन विभागों के कोष का उपयोग हो'

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने राज्य पशुपालन विभागों को दिए जाने वाले कोष का इस क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह उपयोग नहीं होने पर अफसोस जताया है। उन्हें परियोजनाएं लागू करने के लिए कोष खर्च करने के लिए कहा है। विश्व पशु चिकित्सा दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोतम रूपाला ने तत्कालिक आंकड़ा रखने के लिए पशुओं के जन्म और मृत्यु पंजीकरण पर जोर दिया।

### मौसम की खराबी के कारण विमान डायवर्ट

**चेन्नई।** सिंगापुर जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई346 को शनिवार को खराब मौसम के कारण मलेशिया की ओर डायवर्ट कर दिया गया। चेन्नई से उड़ान भरने वाली उड़ान अब सिंगापुर के लिए रवाना हो गई है क्योंकि मौसम में सुधार हुआ है। इससे पहले सऊदिया एयरलाइंस के कार्गो विमान की कोलकाता हवाईअड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की गई। विमान दोपहर 12:02 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गया।

### पीएमएवाई के तहत होगा 336 फ्लैट का आवंटन

**जम्मू।** जम्मू कश्मीर आवास बोर्ड सुंजवान क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत जम्मू में स्थायी या अस्थायी रूप से बसने वाले भारतीय नागरिकों को कुल 336 आवास आवंटित करेगा। पंजीकरण पांच सौ रुपया शुल्क है। आवेदक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.जेकेएचएम.इन पर 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवास बोर्ड के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

### अंगूठी में 50 हजार हीरे जड़कर रिकॉर्ड बनाया

**मुंबई।** मुंबई के एक ज्वैलरी डिजाइनर ने अंगूठी में सबसे अधिक हीरे जड़ने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। एचके डिजाइन्स और हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स की ओर से तैयार अंगूठी में 50,907 हीरे लगे हैं। इसे यूटिएरिया नाम दिया गया है। जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने अपनी एचके डिजाइन्स को यह अंगूठी बनाने में नौ महीने लगे।

## 'वाई20 की सफलता से कुछ को दर्द हुआ'

**लद्दाख, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि वाई20 प्री-समिट मीटिंग का सफल समापन डर और भ्रम फैलाने की कोशिश करने वालों को करारा जवाब है। कुछ लोगों को दर्द हुआ होगा जब मैंने कहा कि वाई20 प्री-समिट सफल रहा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने लद्दाख में वाई20 युवा संवाद के दौरान यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिन लोगों ने लेह में वाई20 प्री समिट से पहले डर और भ्रम फैलाने की कोशिश की, मैं उनसे कहना चाहूंगा कि वाई20 प्री समिट भी लेह में हुई थी और आयोजन सफल रहा था।

- कहा, लद्दाख में बैठक डर फैलाने वालों को जवाब

युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित जी20 के तहत वाई20 प्री समिट मीटिंग 28 अप्रैल को संपन्न हुई थी। तीन दिवसीय कार्यक्रम 26 अप्रैल से शुरू हुआ और इसमें 100 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

**भारत अध्यक्षता कर रहा :** भारत ने 1 दिसंबर 2022 को एक वर्ष की अवधि के लिए यानी 30 नवंबर 2023 तक जी20 की अध्यक्षता ग्रहण की। इसकी अध्यक्षता के लिए भारत का विषय 'वसुधैव कुटुम्बकम' की सभ्यतागत मूल्य प्रणाली में निहित है। इसलिए हमारी थीम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है।

## ओलंपिक विजेता तस्करी में पकड़ी

**मुंबई, एजेंसी।** नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गोवा में अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियोंके मुताबिक, गिरोह में शामिल ओलंपिक पदक विजेता रूसी तैराक, रूस के एक पूर्व पुलिस कर्मी और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल महिला तैराक ने 1980 के ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

## आतंकवादियों का सहयोगी गिरफ्तार

**श्रीनगर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने शनिवार को आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, इस व्यक्ति को नियमित जांच के दौरान उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र के गनई मोहल्ला पजलपोरा मागम से पकड़ा गया। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पास से एक हथगोला और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। व्यक्ति की पहचान तरथपोरा के अमरगढ़ निवासी खुर्शीद अहमद भट के रूप में हुई है।

## हम जांच में सेबी की पूरी मदद करेंगे: अडाणी समूह

**अहमदाबाद, एजेंसियां।** सेबी द्वारा अडाणी-हिंडेनबर्ग हेराफेरी की जांच के लिए और छह महीने का समय उच्चतम न्यायालय से मांगे जाने की पृष्ठभूमि में अडाणी समूह ने बयान जारी किया। समूह ने कहा कि, ' हम सभी कानूनों, नियमों और विनियमों का अनुपालन कर रहे हैं और विश्वास है कि सच्चाई सामने आएगी। हम सेबी के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं।'

बयान में कहा गया है, 'यह ध्यान रखने की जरूरत है कि माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर सेबी के आवेदन में किसी भी गलत काम का कोई उल्लेख नहीं है। बयान में कहा गया है कि सेबी का आवेदन केवल शॉर्ट-सेलर्स रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों का हवाला देता है, जो अभी भी जांच के दायरे में हैं।'

**निष्कर्ष की प्रतीक्षा करें :** बयान में कहा गया है, 'हम अपने व्यवसाय और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं, हम मीडिया से अनुरोध करेंगे कि इस समय अनावश्यक अटकलों से बचें और सेबी और माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति को अपना काम पूरा करने और अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने की प्रतीक्षा करें।'

## आनंद मोहन की रिहाई को चुनौती

**याचिका**

**नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।** पूर्व सांसद आनंद मोहन की जेल से समय पूर्व रिहाई के खिलाफ आईएएस अधिकारी जी. कृष्णनैया की पत्नी ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। आनंद मोहन गोपालगंज के तत्कालीन डीएम कृष्णनैया की हत्या मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे थे।

जी कृष्णनैया की पत्नी उमा कृष्णनैया ने तर्क दिया, आनंद मोहन को आजीवन कारावास की सजा का मतलब उसे जीवनभर कारावास में रखना है। उन्होंने याचिका में कहा, आजीवन कारावास जब मृत्युदंड के विकल्प के रूप में दिया जाता है, तो अदालत के निर्देश सख्ती से लागू होने चाहिए। इसमें छूट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सजा माफी के नियमों के बदलाव की अधिसूचना को भी रद्द करने की मांग की है। बता दें कि मोहन का नाम उन कैदियों में शामिल था, जो उम्रकैद काट रहे थे और 14 साल से सलाखों के पीछे थे। बिहार के जेल नियमों में संशोधन के बाद गुरुवार सुबह मोहन को सहरसा जेल से रिहा कर दिया गया था।

### 26 कैदियों की रिहाई पर रविशंकर ने उठाए सवाल

**पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो।** पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने 26 कैदियों की रिहाई से पहले कारा हस्तक कानून में संशोधन को लेकर सवाल उठाया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि जब आज भी सरकारी कर्मियों पर हमले हो रहे हैं, ऐसे में नीतीश सरकार को पहले 2016 में यह कानून लाने और फिर अब उसे हटाने का आधार जनता को स्पष्ट करना चाहिए। रविशंकर ने कहा कि कृष्णैया जी की हत्या नृशंस व दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। जब आनंद मोहन पर केस हुआ और लोअर कोर्ट का ट्रायल हुआ, तब बिहार में लालू प्रसाद की सरकार थी। जब उनकी अपील चली और सुप्रीम कोर्ट ने सजा बहाल की तो नीतीश कुमार की सरकार थी। उस समय विरोध क्यों नहीं किया?

**अवसर** | दो-तीन साल में ड्रोन पायलटों की एक लाख से ज्यादा भर्तियां की जाएंगी, कृषि से लेकर स्वास्थ्य क्षेत्र में किया जा रहा इस्तेमाल

## देश में सर्टिफिकेट वाले ड्रोन पायलटों की मांग बढ़ी

**नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।** देश में पिछले कुछ समय से ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा है। इसे देखते हुए इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट वाले पायलटों की भर्ती तेज हो गई है। दो से तीन साल में एक लाख से ज्यादा ड्रोन पायलट की भर्ती होने की गुंजाइश विशेषज्ञ बता रहे हैं।

ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष स्मित शाह ने बताया कि मौजूदा समय में देश में कृषि समेत तमाम क्षेत्रों में ड्रोन के प्रयोग हो रहे हैं। उनके मुताबिक, इन प्रयोगों से खास तौर पर कृषि की उपज बढ़ाने के साथ-साथ दवाओं के छिड़काव को ज्यादा प्रभावी बनाया जा रहा है। इससे दवा का छिड़काव करने वालों को तमाम तरह के संक्रमण से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि देश में भूमि की मैपिंग के लिए चल रही स्वामित्व योजना के लिए बड़े पैमाने पर ड्रोन पायलट की भर्ती का काम किया जा रहा है। साथ ही अगर कोई भी व्यक्ति 5-7 दिन की ये ट्रेनिंग करता है तो उसे 30 हजार रुपए महीने से ज्यादा की नौकरी आसानी से मिल सकती है।

### ड्रोन की भारत में स्थिति

**16** तरह के ड्रोन ट्रेनिंग सर्टिफिकेट दिए जाते हैं देश में

**52** ड्रोन स्कूल संचालित हो रहे हैं देश में फिलहाल

### योग्यता : 10वीं पास और अंग्रेजी का ज्ञान

ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग लेने के लिए कम से कम 10वीं पास होनी जरूरी है। विमानन सेवाओं का हिस्सा होने से अंग्रेजी का ज्ञान भी जरूरी किया गया है। देश में डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन की तरफ से अधिकृत तमाम सेंटरों में इस तरह की ट्रेनिंग अलग-अलग दरों पर दी जाती है। इसकी शुरुआत 30 हजार रुपए के कोर्स से हो जाती है।

### पहाड़ों में जरूरत ज्यादा

शुरुआती दौर में सरकारी योजनाओं की जरूरतों को देखते हुए ड्रोन पायलट की भर्ती अभी से शुरू हो गई है। सुदूर पहाड़ी इलाकों में दवाएं और जरूरी सामान पहुंचाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। जानकारों की राय में सामान पहुंचाने के मोर्चे में ड्रोन काफी तेज है और इससे खर्च भी चौथाई फीसदी कम होता है।

### ड्रोन का प्रशिक्षण और उसका इस्तेमाल

- ऑटोमोटिव क्षेत्र की ही तरह ड्रोन के लिए डीजीसीए या केंद्र सरकार अधिकृत ट्रेनिंग सेंटर से मिलता है कमर्शियल ड्रोन ट्रेनिंग सर्टिफिकेट।
- कम से कम 5 दिन की ट्रेनिंग के बाद मिलता है ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट।
- ट्रेनिंग के दौरान ड्रोन को उड़ाना और उससे तमाम तरह के इस्तेमाल के गुर सिखाए जाते हैं।
- सर्टिफिकेट के बाद व्यक्ति गांव में खेती, ट्रांसपोर्टेशन समेत कई सरकारी योजनाओं में इस्तेमाल हो रहे ड्रोन ऑपरेट कर सकेगा।

## राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट हेलीपैड बनेंगे : गडकरी

**मुंबई, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे हेलीपैड और ड्रोन लैंडिंग सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रही है। सरकार ने 'वेसाइड अमेनिटीज' के लिए भी 600 स्थानों का चयन किया गया है।

इंडियन मर्चेंट्स कार्यक्रम में गडकरी ने कहा, ऐसी सुविधाएं सड़क हादसों और अंग प्रत्यारोपण जैसी आपात स्थितियों में मदद करेंगी। चयनित जगहों पर विश्व स्तरीय 'वेसाइड अमेनिटीज' विकसित की जाएंगी। यहां शौचालय, पार्किंग, रेस्तरां जैसी सुविधाएं होंगी। ट्रक चालकों के लिए डॉर्मिटरी, इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा और ट्रॉमा सेंटर भी होंगे।

हिन्दुस्तान क्लासीफाइड
विज्ञापन के लिए संपर्क करें
1800 103 1800
www.livehindustan.com

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक सूचना

कन्ट्रीवाईड प्रोमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: ओटी–14, तृतीय तल, नेक्स्ट डोर, पार्कलेण्डस, सैक्टर–76, फरीदाबाद, हरियाणा – 121004 दूरभाष: 91–011–4957–2787, वेबसाइट: www.bptp.com

यह सार्वजनिक सूचना महानिदेशक, टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग, हरियाणा, चण्डीगढ़ ("डीटीसीपी") द्वारा जारी ज्ञापन संख्या एलसी 657 एस–पीए (एसके)–2023/11644 दिनांक 21–04–2023 के अनुपालन में जारी की जा रही है।

यह कि कन्ट्रीवाईड प्रोमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य डीटीसीपी द्वारा समय–समय पर दिये गये लाइसेन्स संख्या 157–193/2005, दिनांक 07–10–2005, 316–346/2005, दिनांक 22–12–2005, 413–442/2006, दिनांक 18–01–2006, 259/2007, दिनांक 19–11–2007, 38/2011, दिनांक 28–04–2011, 47/2011, दिनांक 27–05–2011, 59/2010, दिनांक 07–08–2010 और 60/2010, दिनांक 07–08–2010 के प्रावधानों तथा समेकित स्वीकृत ले–आउट प्लान के अनुसार एक आवासीय प्लॉटेड कॉलोनी विकसित कर रही है।

अब एक नया आशय पत्र (एलओआई) ज्ञापन संख्या एलसी 657 एस–पीए (एसके)–2023/11644 दिनांक 21–04–2023 के तहत डीटीसीपी द्वारा कुल 571.30625 एकड़ (18.30625 एकड़ अतिरिक्त बिना लाइसेंस वाली भूमि को शामिल करने और मौजूदा लाइसेंस प्राप्त भूमि से 5.85 एकड़ भूमि को घटाने के बाद) सैक्टर 82–89, फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित गाँव खेड़ीकलाँ में 18.30625 एकड़ अतिरिक्त भूमि पर आवासीय प्लॉटेड कॉलोनी की स्थापना के लिए प्रदान किया गया है।

और यह कि डीटीसीपी द्वारा 18.30625 एकड़ लाइसेंस रहित भूमि क्षेत्र को शामिल/जोड़कर और 5.85 एकड़ लाइसेंस प्राप्त भूमि घटाकर 571.30625 एकड़ भूमि का संशोधित ले–आउट प्लान जारी किया गया है।

और यह कि, कई व्यक्तियों ने उक्त कॉलोनी में भूखण्ड/मंजिल/फ्लैट/सम्पत्ति के आवंटन के लिए बुकिंग/खरीद के लिए इकरारनामा किए हैं। (इसके बाद "अवंटियों" के रूप में संदर्भित)

और जबकि, पहले से स्वीकृत ले–आउट प्लान ड्राइंग नं0 8558, दिनांक 24–08–2022 को अब, किसी भी ऐसे भूखण्ड को बदले बिना जिसमें किसी तीसरे पक्ष के अधिकार बनाए गए हैं या जहाँ भूखण्ड आवंटित किए गए हैं, संशोधित करने का प्रस्ताव है, इस प्रकार मौजूदा आवंटियों को आवंटित क्षेत्र किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होते हैं और कम्पनी ने पिछले स्वीकृत ले–आउट प्लान से किसी भी हरित क्षेत्र में कोई बदलाव नहीं किया है।

और जबकि, कार्यालय महानिदेशक, टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग, हरियाणा, चण्डीगढ़ ने ले–आउट प्लान में संशोधन की अनुमति देने से पहले शर्त के रूप में ले–आउट प्लान के संशोधन के सन्दर्भ में आवंटियों से आपत्तियां माँगी है।

तदनुसार, इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से उक्त कॉलोनी के ले–आउट प्लान के प्रस्तावित संशोधन पर आवंटियों से आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं। पहले से स्वीकृत ले–आउट प्लान ड्राइंग नं0 8558, दिनांक 24–08–2022 की एक प्रति और संशोधित ले–आउट प्लान जिसे सैद्धान्तिक रूप से मंजूर ज्ञापन संख्या एलसी 657 एस–पीए (एसके)–2023/11644 दिनांक 21–04–2023 के माध्यम से अनुमोदित किया गया है, ड्राइंग सहित हमारी वेबसाइट www.bptp.com पर अवलोकन के लिए उपलब्ध है। उक्त ले–आउट प्लान को अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ओटी–14, तृतीय तल, नेक्स्ट डोर, पार्कलेण्डस, सैक्टर–76, फरीदाबाद, हरियाणा – 121004 के साथ–साथ जिला टाउन प्लानर (योजना), एचएसवीपी कॉम्प्लेक्स, सैक्टर–12, फरीदाबाद के कार्यालय में भी देखा जा सकता है।

ऐसे आवंटी, जिन्हें संशोधित ले–आउट प्लान पर कोई आपत्ति है, वे इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर जिला नगर योजनाकार, एचएसवीपी कॉम्प्लेक्स, सैक्टर–12, फरीदाबाद के कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते है। यदि 30 दिनों की अवधि के भीतर उक्त कॉलोनी के संशोधित लेआउट प्लान पर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि उक्त कॉलोनी के संशोधित ले–आउट प्लान पर किसी को भी कोई आपत्ति नहीं है।

स्थान : फरीदाबाद
दिनांक : 28.04.2023
रोहित मोहन
कृते कन्ट्रीवाईड प्रोमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड